

MOIL signed a draft JV agreement with MP State Mining Corporation

MOIL has entered into a draft joint venture agreement with Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited (MPSMCL) on October 18, 2024, at MP Mining Conclave'24 in Bhopal. This collaboration aims to advance manganese ore mining and undertake value-addition projects in the state of Madhya Pradesh.

The formal signing ceremony took place in the esteemed presence of the Hon'ble Chief Minister of Madhya Pradesh, Dr. Mohan Yadav, Mr. Sanjay Shukla, Principal Secretary, Government of Madhya Pradesh, Shri Ajit Kumar Saxena, CMD MOIL, and Shri M. M. Abdulla, Director (Production and Planning) MOIL, alongside other distinguished dignitaries.

As per the agreement, a JV Company will be formed between MOIL and MPSMCL with a shareholding of 51% of MOIL and 49% of MPSMCL. This strategic partnership between MOIL and MPSMCL is expected to harness the rich manganese ore reserves in Madhya Pradesh, driving economic growth and creating numerous employment opportunities in the region, aligning with the vision of Atma Nirbhar Bharat.



MOIL ने MP राज्य खनन निगम के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते का मसौदा हस्ताक्षर किया।

MOIL ने 18 अक्टूबर, 2024 को भोपाल में आयोजित MP माइनिंग कॉन्क्लेव'24 में मध्य प्रदेश राज्य खनन निगम लिमिटेड (MPSMCL) के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते का मसौदा किया है। इस सहयोग का उद्देश्य मध्य प्रदेश राज्य में मैंगनीज अयस्क खनन को आगे बढ़ाना और मूल्य संवर्धन परियोजनाओं को लागू करना है।"

औपचारिक हस्ताक्षर समारोह मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मध्य प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ला, MOIL के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री अजीत कुमार सक्सेना, और MOIL के निदेशक (उत्पादन और योजना) श्री एम. एम. अब्दुल्ला की उपस्थिति में, एवं अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में संमपन्न हुआ।

समझौते के अनुसार, MOIL और MPSMCL के बीच एक संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन किया जाएगा, जिसमें MOIL की 51% और MPSMCL की 49% हिस्सेदारी होगी। MOIL और MPSMCL के बीच यह रणनीतिक साझेदारी मध्य प्रदेश में समृद्ध मैंगनीज अयस्क भंडार का उपयोग करने की उम्मीद है, जो आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और क्षेत्र में रोजगार के कई अवसर पैदा करेगा।

